29 अगस्त, 2022

सूरीनाम के निकेरी डिस्ट्रिक्ट में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा तथा भारत के संसदीय शिष्टमंडल के लिए आयोजित लंच के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का बैंक्वेट भाषण

सूरीनाम की नेशनल असेंबली के माननीय वाइस चेयरमैन, भारत के राजदूत डॉ. शंकर बालाचंद्रन; विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो:

सूरीनाम को आमेजन का दिल कहा जाता है। यह देश वास्तव में ट्रोपिकल पैराडाइज है। प्रकृति की गोद में बसा हुआ सूरीनाम अपनी जैव विविधता के लिए दुनियाभर में विख्यात है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य, मन को मोह लेने वाली हरियाली, सुंदर नदियां और झीलें और यहां की स्वच्छ हवा मंत्रमुग्ध कर देती है।

आज हमें यहां बिगी पान नेचर रिजर्व में सैर करके अलौकिक आनंद की अनुभूति हुई।

भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां आकर मैं वास्तव में अभिभूत हूं। यहां की मित्रवत जनता से मिलकर और उनका स्नेह पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

साथियो, सूरीनाम का अपना समृद्ध इतिहास रहा है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों की विविधता हम सबको प्रभावित करती है। सूरीनाम में विभिन्न समुदायों के लोग रहते हैं, जो आपस में राष्ट्रीय एकता की अटूट डोर से बंधे हुए हैं। सूरीनाम के आधुनिक समाज में विभिन्न समुदायों के लोकाचार, कई मायनों में, आधुनिक भारतीय समाज की विविधता, बहुलता और सामाजिक ताने-बाने से मेल खाता है।

साथियो, भारत और सूरीनाम के रिश्ते बहुत गहरे हैं। हमारे दोनों देश भले ही भौगोलिक रूप से एक-दूसरे से दूर हैं, फिर भी, दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से अत्यंत घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध रहे हैं।

आज से लगभग डेढ़ सौ साल पहले, बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों ने बेहतर आजीविका और आर्थिक अवसरों की तलाश में आपके देश में प्रवास किया था। आज हिन्दुस्तानी समुदाय सूरीनाम के ताने-बाने का एक सुंदर हिस्सा है। सूरीनाम की कुल जनसंख्या में से एक-चौथाई जनसंख्या हिंदुस्तानी समुदाय की है। वे सूरीनाम की अर्थव्यवस्था, सिविल सेवा, प्रौद्योगिकी और सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

हिंदुस्तानी समुदाय कितनी सहजता से सूरीनामी समाज में घुल-मिल गया है, यह देख कर खुशी होती है। यह हमारे भारतीय समाज की विशेषता है कि उन्होंने यहां के रहन-सहन और जीवनशैली को भी आत्मसात किया है और साथ ही साथ अपनी परंपराओं और संस्कृति को भी संजोकर रखा है।

पारंपरिक सांस्कृतिक संबंधों के अलावा, दोनों देशों के बीच और भी कई समानताएं हैं। हमारे दोनों देशों ने उपनिवेशवाद से संघर्ष किया।

उत्पीड़न, दासता और गुलामी से मुक्ति पाई और स्वतंत्र राष्ट्र के नवनिर्माण के लिए संसदीय लोकतंत्र को अपनाया। लोकतांत्रिक पद्धति से जनता के जीवन में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए प्रयास किए। आज दोनों देशों के बीच संसदीय संपर्कों और आदान-प्रदान को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि दोनों देशों के जनप्रतिनिधि गण एक दूसरे के साथ अपने विचार अनुभवों और बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा कर सकें, और दोनों देशों की लोकतांत्रिक संस्थाएं इसका लाभ उठा सकें।

साथियो, अभी इसी वर्ष भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। इसी उपलक्ष्य में हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। इस संबंध में, सूरीनाम में स्थित भारतीय दूतावास विभिन्न पहल कर रहा है। मैं इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सूरीनाम के सभी लोगों को हार्दिक निमंत्रण देता हूं। हम दोनों देशों के बीच पीपल-टू-पीपल कांटेक्ट को और आगे बढ़ाना चाहते हैं।

देवियो और सज्जनो, मैं भारत और सूरीनाम के बीच चिरस्थायी मित्रता की कामना करता हूं; अपने संसदीय शिष्टमंडल के साथियों की ओर से और भारत की जनता की ओर से सूरीनाम के प्रिय नागरिकों की खुशहाली और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद!!